आशा एवं उषा कार्यकर्ताओं ने की मानदेय बढ़ाने की मांग

भोपाल। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत आशा एवं उषा कार्यकर्ताओं की विभिन्न मांगों को लेकर आशा-उषा कार्यकर्ता महिला संगठन (मध्य प्रदेश) ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम ज्ञापन सौंपा है। संगठन ने पूर्व में घोषित वार्षिक 1000 रुपये की वृद्धि, केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत 1500 रुपये की राशि के भुगतान तथा आशा कार्यकर्ताओं के नियमितीकरण की मांग की है।ज्ञापन में कहा गया है कि वर्ष 2005 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की स्थापना के बाद से आशा और उषा कार्यकर्ताओं ने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, टीकाकरण, परिवार नियोजन, कुपोषण नियंत्रण तथा संक्रामक रोगों की रोकथाम जैसे अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संगठन का कहना है कि दूरस्थ गांवों, शहरी झुग्गी बस्तियों और कठिन परिस्थितियों में भी आशा कार्यकर्ता 24 घंटे समुदाय की सेवा में तत्पर रहती हैं और स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ की हड्डी के रूप में कार्य कर रही हैं। संगठन ने आरोप लगाया कि आशा कार्यकर्ताओं को आज भी प्रोत्साहन राशि आधारित व्यवस्था के तहत काम करना पड़ रहा है, जबकि भुगतान में देरी और कटौती जैसी समस्याएं लगातार बनी हुई हैं। इसके कारण कार्यकर्ताओं को गंभीर आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन के अनुसार संगठन द्वारा 9 मार्च को भोपाल में अधिकारियों और मंत्रियों को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं से अवगत कराया गया था। इसके बाद भी विभिन्न स्तरों पर सरकार तक आशा कार्यकर्ताओं की समस्याएं पहुंचाने के प्रयास किए गए, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। आशा-उषा कार्यकर्ता महिला संगठन की प्रदेश अध्यक्ष नर्मदा ठाकरे ने कहा कि प्रदेश की आशा कार्यकर्ता आज भी न्यूनतम वेतन, नियमितीकरण, मानदेय, पेंशन, ग्रेच्युटी, सामाजिक सुरक्षा तथा सुरक्षित कार्य वातावरण जैसे बुनियादी अधिकारों से वंचित हैं।

स्वर शाला ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, 90 छात्रों द्वारा गाया गया था कुहू कुहू बोले कोयलिया

भोपाल। स्वरशाला की 9 वीं वर्षगांठ के अवसर पर स्वर शाला के 90 विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक रूप से गाए गए अत्यंत जटिल गीत कुहू कुहू बोले कोयलिया को लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा वर्ल्ड रिकॉर्ड का दर्जा दिया गया है। आयोजित कार्यक्रम में स्वर शाला के संगीत गुरु अनूप श्रीवास्तव द्वारा सभी 90 प्रतिभागियों को अवार्ड प्रदान किया गया।

अनूप श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि फिल्म स्वर्ण सुंदरी का यह गीत विशुद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत पर आधारित है, जिसमें चार प्रमुख रागों-राग सोहनी, राग बहार, राग जौनपुरी और राग यमन का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। गीत का मुखड़ा राग सोहनी से प्रारंभ होकर, राग बहार और राग जौनपुरी से गुजरते हुए राग यमन पर समाप्त होता है, जो इसे तकनीकी रूप से अत्यंत चुनौतीपूर्ण बनाता है। अनूप श्रीवास्तव का कहना है की हरी नवीन गायक का सपना होता है कि वह इस गीत को स्टेज पर परफॉर्म करें । सही मायने में इस जीत की विधिवत प्रस्तुति ही कलाकार की परिपक्वता और गायन कौशल का सूचक बन चुकी है । आयोजित कार्यक्रम में स्वर शाला के विद्यार्थियों द्वारा पुनः इस गीत का प्रस्तुतीकरण किया गया और स्रोतों की वाह वाही बटोरी गई ।

विद्यार्थियों को 15 जून तक जमा करना होगा प्रवेश शुल्क

एनसीटीई पाठ्यक्रमों के प्रथम चरण का आवंटन जारी

भोपाल।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए संचालित ई-प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत एनसीटीई पाठ्यक्रमों (बीएड, एमएड, बीपीएड, एमपीएड आदि) के प्रथम चरण का महाविद्यालय आवंटन जारी कर दिया गया है। प्रथम चरण में पात्र अभ्यर्थियों को महाविद्यालय आवंटित किए गए हैं। आवंटित अभ्यर्थियों को प्रवेश सुनिश्चित करने के लिये 15 जून 2026 तक निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कुल 64,641 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया, जिनमें से 59,113 आवेदनों का सत्यापन किया गया। प्रथम चरण में 32,918 अभ्यर्थियों को महाविद्यालय आवंटित किए गए हैं।

उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों से आग्रह किया है कि वे अपने लॉगिन के माध्यम से आवंटन की जानकारी प्राप्त कर निर्धारित समय-सीमा में शुल्क जमा कर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करें। निर्धारित तिथि तक शुल्क जमा नहीं करने पर आवंटन निरस्त माना जाएगा तथा सीट आगामी चरणों के लिए उपलब्ध हो जाएगी।

महिला आयोग ने शुरू की टोल-फ्री हेल्पलाइन

भोपाल। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, महिलाओं के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन 1800-233-6112 का शुभारंभ किया। हेल्पलाइन के माध्यम से प्रदेश की महिलाएं सीधे आयोग से संपर्क कर अपनी शिकायतें, समस्याएं और सुझाव दर्ज करा सकेंगी। भोपाल स्थित राज्य महिला आयोग कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव, सदस्य साधना स्थापक तथा आयोग के सचिव सुरेश तोमर ने हेल्पलाइन का विधिवत विमोचन किया। इस अवसर पर आयोग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

यादव ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को न्याय और सहायता तक सहज पहुंच उपलब्ध कराना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नई टोल-फ्री हेल्पलाइन महिलाओं और आयोग के बीच सीधा संवाद स्थापित करेगी, जिससे उनकी समस्याओं का त्वरित संज्ञान लेकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए उपयोगी होगी जो किसी कारणवश सीधे आयोग तक नहीं पहुंच पाती हैं। मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा शुरू की गई यह टोल-फ्री हेल्पलाइन महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने तथा न्याय तक उनकी पहुंच को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यादव प्रदेश की सभी महिलाओं से अपील की है कि आवश्यकता पड़ने पर वे निःसंकोच टोल-फ्री नंबर 1800-233-6112 पर संपर्क कर अपनी समस्याएं दर्ज कराएं और उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाएं। संस्थापक ने कहा कि आयोग का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और न्यायपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना है। हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त प्रत्येक शिकायत पर संवेदनशीलता, गंभीरता और प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जाएगी, जिससे पीड़ित महिलाओं को शीघ्र राहत मिल सके। आयोग के सचिव सुरेश तोमर ने बताया कि हेल्पलाइन महिलाओं की शिकायतों के पंजीयन, मार्गदर्शन, परामर्श तथा संबंधित मामलों के फॉलोअप के लिए एक प्रभावी माध्यम के रूप में कार्य करेगी। इससे शिकायत निवारण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और सुलभ बनेगी।

भाजपा दिव्यांगजन कल्याण प्रकोष्ठ ने किया सुंदरकांड पाठ

भोपाल। आत्मनिर्भर दिव्यांग, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूती देने के लिए दिव्यांगजनों का एक भव्य आयोजन हुआ। भारतीय जनता पार्टी, दिव्यांगजन कल्याण प्रकोष्ठ, मध्यप्रदेश के प्रदेश संयोजक संदीप रजक के तत्वावधान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री पद पर निरंतर सर्वाधिक कार्यकाल पूर्ण करने के उपलक्ष्य में दिव्यांगजनों के साथ प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल क्षेत्र संगठन महामंत्री अजय जामवाल जी सहित सभी वरिष्ठ नेतृत्व के द्वारा सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ एवं महाआरती का आयोजन किया गया। यह धार्मिक कार्यक्रम भाजपा प्रदेश कार्यालय स्थित हनुमान मंदिर में संपन्न हुआ।

सेवानिवृत्ति पर मंत्रालय में अखंड रामायण पाठ और भंडारा 15 को

भोपाल। मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष तथा प्रभात। राजकुमार पटेल जी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर 30 जून को सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं। श्री पटेल 40 वर्ष की सुदीर्घ शासकीय सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं।श्री पटेल को उपयुक्त,कार्यपालिक,कार्यपालक शासकीय सेवकों को मध्यप्रदेश शासन द्वारा दिया जाने वाला एक लाख रुपए का वेतनोपरान्त अर्जन प्रोत्साहन भी मिल चुका है। उनकी सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में 15 जून को मंत्रालय वल्लभ भवन के गेट संख्या 06 के पास स्थित जगेश्वर मंदिर में अखंड रामायण पाठ और भंडारा का आयोजन जा रहा है। अखण्ड रामायण पाठ 14 जून से शुरू हो जायेगा जिसकी पूर्णाहुति 15 जून को 11 बजे तक होगी और 12 बजे से 04 बजे तक इसी भंडारा चलेगा। संगठन के अध्यक्ष इंजी सुधीर नायक,अध्यक्ष ने बताया कि भंडारे में मंत्रालय सेवा अधिकारी/कर्मचारी संघ/संगठन में मंत्रालय में सेवारत समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों एवं मंत्रालय में किसी भी तरह की सेवा दे रहे सभी व्यक्ति यों को आमंत्रित किया गया है।

एम्स के दस चिकित्सक, वैज्ञानिकों को मिली अंतरराष्ट्रीय मान्यता

भोपाल। वैश्विक वैज्ञानिक मूल्यांकन संस्था स्कॉलर जीपीएस द्वारा जारी नवीनतम रैंकिंग में एम्स भोपाल के कई चिकित्सक-वैज्ञानिकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण पहचान प्राप्त हुई है। डॉ. जगत आर. कंवर (जैवसायन विभाग), डॉ. रजनीश जोशी (सामान्य चिकित्सा विभाग), डॉ. अभिजीत पखारे एवं डॉ. अंकुर जोशी (सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग), डॉ. देबाशीष बिस्वास (सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग), डॉ. सुखेस मुखर्जी, डॉ. अशोक कुमार एवं डॉ. अस्विन कोटनिस (जैवरसायन विभाग), तथा डॉ. अभिनव सिंह और डॉ. वरुण मल्होत्रा को उनके उत्कृष्ट शोध एवं अकादमिक योगदान के लिए इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान प्राप्त हुआ है। रैंकिंग शोध प्रकाशनों, शोध प्रभाव तथा अकादमिक उपलब्धियों के व्यापक विश्लेषण के आधार पर तैयार की जाती है। उल्लेखनीय है कि वैश्विक वैज्ञानिक मूल्यांकन संस्था स्कॉलर जीपीएस के शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों की उपलब्धियों का मूल्यांकन करते हुए रैंकिंग जारी करता है। यह रैंकिंग शोध प्रकाशनों, उद्धरणों शोध प्रभाव, अकादमिक उपलब्धियों तथा समग्र वैज्ञानिक योगदान के व्यापक विश्लेषण पर आधारित होती है।

दुष्यंत संग्रहालय में आयोजन 13 को

नर्मदा परिक्रमा के आध्यात्मिक अनुभव सुनायेंगे पूर्व गृह सचिव

भोपाल। पूर्व गृह सचिव एवं निवर्तमान आईएएस ओमप्रकाश श्रीवास्तव 13 जून को शिवाजी नगर स्थित दुष्यंत संग्रहालय में कायस्थ संस्था के आयोजन में नर्मदा परिक्रमा के आध्यात्मिक अनुभव सुनाएंगे। कार्यक्रम शाम 5 बजे से होगा । इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती भारती श्रीवास्तव भी उपस्थित रहेंगी। भारती श्रीवास्तव ने भी 10 दिसंबर 2025 से 5 मई 2026 तक अपने पति ओमप्रकाश श्रीवास्तव के साथ नर्मदा पथ की यात्रा की है । उनकी यह यात्रा सचिव गृह विभाग से सेवानिवृत्ति के तत्काल बात शुरू हो गई थी। स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत पत्नी श्रीमती भारती श्रीवास्तव ने भी उसी दौरान सेवानिवृत्ति ले ली थी। कायस्थम द्वारा नर्मदा परिक्रमा के धार्मिक महत्व और आध्यात्मिक अनुभव विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में श्री ओमप्रकाश श्रीवास्तव और उनकी धर्मपत्नी कायस्थ समाज और अन्य वर्ग के नागरिकों को यात्रा के संस्मरण सुनाकर पुण्य सलिला मां नर्मदा के धार्मिक महत्व पर चर्चा कर प्रश्नों के उत्तर भी देंगे। उल्लेखनीय है कि श्रीवास्तव दम्पति ने 147 दिन में नर्मदा पथ की 3144 किलोमीटर की यात्रा की है।

प्रशासनिक और आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित करने का सुझाव

भोपाल को 'मिनी कैपिटल ऑफ इंडिया' बनाने का विजन

सच प्रतिनिधि.भोपाल

राजधानी भोपाल को भविष्य में देश के प्रमुख प्रशासनिक एवं आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से एक व्यापक दीर्घकालिक विजन पर काम की बात कही है। शहर के उद्यमी, कारोबारी और ट्रांसपोर्टरों ने भोपाल को मिनी कैपिटल ऑफ इंडिया के रूप में स्थापित करने की बात करते हुए, कहा कि व्यापक दीर्घकालिक विजन पर काम करने से यह शहर राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान प्राप्त कर सकता है। व्यापारियों के प्रतिनिधियों अनुसार राज्य शासन के सभी प्रमुख विभागों के लिए एकीकृत एवं आधुनिक प्रशासनिक क्षेत्र विकसित किया जाए। साथ ही केंद्र सरकार के कार्यालयों एवं संस्थानों के लिए अलग सेंट्रल गवर्नमेंट एन्क्लेव बनाया जाए, जिससे प्रशासनिक कार्यों का बेहतर समन्वय हो सके।

इस संदर्भ में सराफा कारोबारी संजीव गर्ग (गांधी) ने विजन में मुख्यमंत्री निवास, मंत्रियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के लिए सुव्यवस्थित सरकारी आवासीय क्षेत्र विकसित करने के साथ-साथ केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों और उच्च अधिकारियों के लिए पृथक आवासीय एवं अतिथि गृह परिसर बनाने का सुझाव दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, जी-20 स्तर की बैठकों तथा राष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी के लिए भोपाल में विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर स्थापित करने की भी मांग की गई है। इसके अलावा भोपाल-विदिशा, भोपाल-सीहोर और भोपाल-रायसेन कॉरिडोर पर मेट्रो एवं रीजनल रेल नेटवर्क विकसित कर क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करने का प्रस्ताव रखा गया है।

ट्रांसपोर्टर कमल पंजवानी ने कहा कि परिवहन व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए एयरपोर्ट, रेलवे, मेट्रो और बस सेवाओं को एकीकृत करते हुए मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट हब विकसित करने की बात कही गई है। साथ ही नई टाउनशिप, आईटी पार्क, शिक्षा एवं स्वास्थ्य हब स्थापित कर रोजगार के नए अवसर सृजित करने पर भी जोर दिया गया है।

राजाभोज एयरपोर्ट कमेटी मेम्बर मनोज मीक ने प्रस्ताव में भोपाल की ऐतिहासिक पहचान राजा भोज नगरी को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने तथा अगले 50 वर्षों की जनसंख्या और विकास आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक मास्टर प्लान तैयार करने की आवश्यकता बताई गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन सुझावों पर चरणबद्ध तरीके से अमल किया जाता है, तो भारत के हृदय स्थल में स्थित भोपाल आने वाले वर्षों में देश के सबसे आधुनिक, सुव्यवस्थित और प्रभावशाली प्रशासनिक शहरों में शामिल हो सकता है।

ऑनलाइन कृषि प्लेटफॉर्म्स पर सख्ती

प्रमुख कीटनाशक कंपनियों ने जारी की चेतावनी, अवैध व्यापार पर होगी कार्रवाई

सच प्रतिनिधि.भोपाल

कृषि आदान (इनपुट) व्यापार से जुड़े व्यापारियों के लिए महत्वपूर्ण चेतावनी जारी की गई है। देश की प्रमुख कीटनाशक निर्माता कंपनियों ने कुछ ऑनलाइन कृषि प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने हुए उनके व्यापार को अवैध बताया है। इस मामले को लेकर व्यापारियों और कृषि विभाग को भी सतर्क किया गया है। प्रदेश सचिव संजय कुमार रघुवंशी ने बताया कि इंसेक्टिसाइड्स इंडिया लिमिटेड सहित कई अग्रणी कंपनियों ने ई-फसल, ग्रामोफोन, अग्रिम, एग्रो ऑक्टिट हब और बॉक्स एग्री सॉल्यूशंस जैसी ऑनलाइन व्यापारिक फर्मों के खिलाफ कानूनी नोटिस जारी किए हैं तथा उनके प्रिंसिपल सर्टिफिकेट को मान्यता नहीं दी है।

बिना वैध पीसी के व्यापार माना जाएगा अवैध

जानकारी के अनुसार, सिंजेंटा इंडिया लिमिटेड, यूपीएल, एसडब्ल्यूएएल और यारा जैसी कंपनियां भी इन ऑनलाइन फर्मों के खिलाफ कृषि विभाग में शिकायत दर्ज करा चुकी हैं। कंपनियों का कहना है कि इन प्लेटफॉर्म्स को किसी भी प्रकार का वैध प्रिंसिपल सर्टिफिकेट जारी नहीं किया गया है, इसलिए इनके माध्यम से किया जा रहा व्यापार नियमों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने बताया कि कीटनाशक अधिनियम 1968 की धारा 10(4) के अनुसार प्रत्येक कंपनी के प्रिंसिपल सर्टिफिकेट को अधिकृत नेम ऑफ सोर्स के साथ जारी किया जाना अनिवार्य है। केवल उसी अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटर द्वारा जारी बिल को वैध माना जाएगा, जिसका नाम कंपनी के रिकॉर्ड में दर्ज हो।

व्यापारियों को दी गई सलाह

खरीफ सीजन को देखते हुए संगठन ने व्यापारियों से अपील की है कि वे केवल वैध प्रिंसिपल सर्टिफिकेट वाली फर्मों से ही माल खरीदें। यदि निरीक्षण के दौरान किसी व्यापारी के पास अनधिकृत ऑनलाइन फर्मों के बिल पाए जाते हैं, तो कृषि विभाग इसे अवैध व्यापार मानते हुए लाइसेंस निरस्त करने सहित अन्य वैधानिक कार्रवाई कर सकता है।

संगठन की अपील

प्रदेश सचिव संजय कुमार रघुवंशी ने सभी व्यापारियों से नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित व्यापार करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जिन कंपनियों या फर्मों के पास वैध प्रिंसिपल सर्टिफिकेट नहीं है, उनके उत्पादों का व्यापार करने से बचें और अपने लाइसेंस एवं व्यवसाय को सुरक्षित रखें।

छोला खेड़ापति हनुमान मंदिर में हुआ विशाल भंडारा

महंत अनिलानंद महाराज और आचार्य देव मुरारी बापू हुए शामिल

भोपाल। पुरुषोत्तम मास के चलते भोपाल के प्रसिद्ध खेड़ापति हनुमान मंदिर छोला रोड पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें सुबह से शाम तक भंडारा हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसादी ग्रहण की इससे पूर्व हनुमान महाराज को भोग लगाया गया महंत जगदीस महाराज का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर उदासीन अखाड़े के महंत अनिलानंद ,पूज्य संत देव मुरारी बापू, वीरेंद्र पाठक,राममनोहर शर्मा, अतुलित राय, मुकुल राठौर,गौतम जायसवाल, श्रीमति सरस्वती तिवारी थाना प्रभारी,विशाल चौबे,प्रतीक शर्मा,चंद्रमौल तिवारी,अमन मिश्रा,सुमित मिश्रा अनुराग, बबीता अग्रवाल,राजेश अग्रवाल,नीतू जायसवाल ,कादम्बिनी शर्मा, मोलिसा शर्मा,सहित सैकड़ों की तादात में लोग उपस्थित थे।